



सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 177]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 4, 1995/अश्विन 12, 1917

No. 177]

NEW DELHI, WEDNESDAY, OCTOBER 4, 1995/ASVINA 12, 1917

बाणिज्य मंत्रालय

सांख्यिक सूचना सं. 316 (पी एन)/92-97

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर, 1995

प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-I) में यथा निर्धारित बैंक गारंटी द्वारा समर्थित बंधपत्र का निष्पादन भी करना पड़ेगा।

प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-I) का अध्याय 6

का.सं. 3/80/95-आई पी सी-2 :—31-3-95 तक यथा संशोधित निर्यात एवं आयात नीति के पैरा 16 और विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की धारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार/महानिदेशक, विदेश व्यापार एतद्वारा निर्यात एवं आयात नीति और 31-4-1995 तक यथा संशोधित प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-I) में निम्नलिखित संशोधन करते हैं :—

निर्यात एवं आयात नीति का अध्याय 6

- (1) निर्यात एवं आयात नीति का पैरा 45 निम्नलिखित पैरा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“निर्यात दायित्व पूरा करने के लिए लाइसेंसधारक लाइसेंसिंग प्राधिकारी को वचन देगा। इस सम्बन्ध में व्योरा प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) में दिया गया है। लाइसेंसधारक को सीमाशुल्क प्राधिकारियों के समक्ष

- (2) प्रक्रिया पुस्तक का पैरा 103 (अ) निम्नलिखित पैरा द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :

“103. लाइसेंस जारी करने के समय परिशिष्ट 15 में दिए फार्म के अनुसार सम्बन्धित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदक द्वारा विधिक वचनबद्धता की स्वीकृति ई.पी.सी.जी. लाइसेंस के पीछे पृष्ठान्तित की जाएगी।

इसके अलावा, आयातक सीमाशुल्क द्वारा वस्तुओं का निकासी से पूर्व वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए अनुसार बैंक गारंटी सहित एक बंधपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास जमा कराएगा।

प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-I) का अध्याय-7

- (3) प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 118 का स्थान निम्न-लिखित पैराग्राफ लेगा :—

“लाइसेंस जारी करने के समय परिशिष्ट-17 में दिए फार्म के अनुसार संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी को आवेदक द्वारा विधिक वचनबद्धता की स्वीकृति अग्रिम लाइसेंस के पीछे पृष्ठांकित की जाएगी” ।

इसके अलावा, आयातक सीमाशुल्क द्वारा वस्तुओं की निकासी से पूर्व वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग द्वारा समय-समय पर निर्धारित किए अनुसार एक वंधपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास जमा कराएगा ।

टिप्पणी : —

- (क) आयात करने से पूर्व निर्यात आभार पूरा करने की स्थिति में विधिक वचनबद्धता/बांड/बैंक गारंटी की आवश्यकता नहीं होगी । किसी भी प्रकार का निर्यात करने से पूर्व निर्यात आभार की आंशिक पूर्ति के मामले में बैंक गारंटी/विधिक वचनबद्धता को उसी अनुपात से घटाया जा सकता है । दोनों मामलों में

लाइसेंसधारक द्वारा पैराग्राफ 126 (2) के अनुसार आवश्यक घोषणा भी की जाएगी । 1-4-1995 के बाद जारी होने वाले लाइसेंसों के लिए ऐसी घोषणाओं की जरूरत नहीं पड़ेगी । लाइसेंसधारक निर्यात आभार की पूर्ण अथवा आंशिक पूर्ति के बारे में दस्तावेजी प्रमाण (यथा डी ई ई सी, शिपिंग बिल और निर्यात का बैंक प्रमाण-पत्र) संबंधित लाइसेंसिंग प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगा ।

- (ख) शुल्क मुक्त लाइसेंस के मामले में जहां “बैंक गारंटी/विधिक वचनबद्धता नहीं” की सुविधा दी गई है, लाइसेंसिंग प्राधिकारी संबंधित डी ई ई सी (निर्यात) को उन सीमाशुल्क प्राधिकारियों के पास भेज देगा जिनके पास लाइसेंस को उनके रिकार्ड और आगे की उपयुक्त कार्रवाई हेतु पंजीकृत किया गया है । इस आशय का पृष्ठांकन डी ई ई सी (आयात) पर लाइसेंसिंग प्राधिकारी द्वारा किया जाएगा जिसमें यह निर्धारित किया जाएगा कि आयात पूरे होने के बाद लाइसेंसधारक लाइसेंस को तुरन्त सीमाशुल्क प्राधिकारी के पास जमा करा देगा ।

प्रक्रिया पुस्तक (खण्ड-1) का अध्याय-8

4. प्रक्रिया पुस्तक के पैराग्राफ 13 (4) (1) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा :—

“आयात की प्रथम खेप की निकासी से पूर्व, हीरा अध्याय लाइसेंस के मामले में, लाइसेंसधारी परिशिष्ट-34 में दिए गए प्रपत्र के अनुसार विधिक घोषणापत्र/संयुक्त घोषणापत्र, जैसी भी स्थिति हो, प्रस्तुत करेगा । विधिक घोषणा/संयुक्त विधिक घोषणा के संबंध में निम्नलिखित सारणी में दिए गए उपबंध लागू होंगे :—

निर्यातक की किस्म	विधिक घोषणा/ बैंक गारंटी	सीमाएं
1. सुपर स्टार व्यापार सदन, तथा उसी वर्ग की यूनिटें/निजी क्षेत्र उपक्रम और उसी वर्ग की यूनिटें	विधिक घोषणा	असीमित
2. निर्यात सदन/व्यापार सदन/स्टार व्यापार सदन और उसी वर्ग की यूनिटें	विधिक घोषणा/ संयुक्त विधिक घोषणा	विगत लाइसेंसिंग वर्ष/चालू वर्ष में हुए निर्यात के पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के पांच गुना तक ।
3. पिछलो निर्यात-निष्पादन क्षमता वाले निर्यातक जो उपरोक्त क्रम सं. 1 एवं 2 में नहीं आते ।	विधिक घोषणा	गत लाइसेंसिंग वर्ष/चालू वर्ष में किए गए निर्यात के पोतपर्यन्त निःशुल्क मूल्य के दोगुना तक ।
4. गत तीन वर्षों में 5 करोड़ रुपए तक न्यूनतम अतिरिक्त व्यवसाय करने वाली यूनिटें तथा उसी वर्ष की यूनिटें ।	विधिक घोषणा/ संयुक्त विधिक घोषणा	गत लाइसेंसिंग वर्ष/चालू वर्ष के घरेलू व्यवसाय के 50 प्रतिशत तक ।

टिप्पणी : —

- (क) जहां आयात करने से पूर्व अपेक्षित निर्यात वास्तव पूर्ण किए गए हों, उस स्थिति में विधिक घोषणा/बांड/बैंक गारंटी आवश्यक नहीं होगी ।

(ख) विधिक घोषणा की अवधि निर्यात शक्ति अवधि से 6 मास अधिक तक होगी।

(ग) आवेदक विधिक घोषणापत्र अगले आवेदन के साथ भी प्रस्तुत कर सकता है। हीरा अथवा अन्य लाइसेंस जारी करते समय भी विधिक घोषणापत्र यदि अन्यथा सही हो तो, स्वीकार किया जा सकता है और उसकी स्वीकृति को लाइसेंस के पिछली ओर अंकित किया जाए।

इस लोक हित में जारी किया जाता है।

श्यामल घोष, महानिदेशक, विदेश व्यापार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 316 (PN) 92—97

New Delhi, the 4th October, 1995

F. No. 3/80/95-IPC-II.—In exercise of the powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 and Paragraph 16 of the Export and Import Policy, as amended upto 31-3-95, the Central Government/Director General of Foreign Trade, hereby makes the following amendments in Export and Import Policy and the Hand Book of Procedures (Volume I), as amended upto 30-4-1995.

CHAPTER VI OF EXPORT AND IMPORT POLICY :

(1) Paragraph 45 of the Export and Import Policy shall be substituted by the following para :

“The Licence shall give to the licensing authority, an undertaking for the fulfilment of the export obligation. The details in this regard are specified in the Hand Book of Procedures (Vol. I).

The licence shall also be required to execute with the Customs Authorities, a Bond supported by Bank Guarantee, as specified in the Hand Book of Procedures (“Vol. I).”

CHAPTER VI OF HAND BOOK OF PROCEDURES (VOLUME I)

(2) Paragraph 103 (i) of Hand Book of Procedures shall be substituted by the following paragraph :

“103. At the time of issue of the licence, the acceptance of the Legal Undertaking given by the applicant to the licensing authority concerned in the form given in Appendix XV will be endorsed on the reverse of the EPCG licence.

In addition, before clearance of goods through customs, the importer shall execute a bond supported by a bank guarantee with the customs authorities in the manner as may be prescribed by the Department of Revenue, Ministry of Finance, from time to time.

CHAPTER VII OF HAND BOOK OF PROCEDURES (VOLUME I)

(3) Paragraph 118 of Hand Book of Procedures shall be substituted by the following paragraph :

“At the time of issue of the licence the acceptance of the legal undertaking given by the applicant to the licensing authority concerned in the form given in appendix XVII will be endorsed on the reverse of the Advance Licence.

In addition, before clearance of goods through customs, the importer shall, execute a bond supported by a bank guarantee with the customs authorities in the manner as may be prescribed by the Department of Revenue, Ministry of Finance, from time to time.

Note :—

(a) No LUT/Bond/BG will be required where the specified export obligation has been fulfilled before making any import. In case of partial fulfilment of export obligation before effecting any imports, the BG/LUT may be reduced proportionately. In both the situations the declaration as required in terms of paragraph 126 (ii) shall also be given by the licence-holder. Such declaration will not be required for the licences issued from 01-04-1995. The licence-holder shall also produce documentary evidence (such as DEEC, shipping Bills and Bank Certificate of Export) about the complete or the partial fulfilment of the export obligation to the licensing authority concerned.

- (b) In respect of a duty free licence on which "No BG/LUT" facility has been provided, the licensing authority shall forward the relevant DEEC (Exports) to the Customs authorities with whom the licence is registered for their record and further appropriate action. An

endorsement to this effect shall also be made by the licensing authority on the DEEC (Imports) with a further stipulation that the same shall be surrendered by the licence-holder to the Customs Authority immediately after the imports are completed.

CHAPTER VIII OF HAND BOOK OF PROCEDURES (VOLUME I)

- (4) Paragraph 134(i) of Hand Book of Procedures shall be substituted by the following :

"Before clearance of the first consignment of import the licensee shall execute a legal undertaking/Joint. Legal Undertaking, as the case may be, as per the format given in Appendix XXXIV B with the licensing authority in respect of Diamond Imprest Licence. For LUT/Jt. LUT the provisions as given in table below shall be applicable.

TYPE OF EXPORTER	LUT/BANK GUARANTEE	LIMITS
1. Super Star Trading House and Units within the same group/Public Sector Undertaking and units within the same group.	LUT	Unlimited
2. Export House/Trading House/Star Trading House and units within the same group.	LUT/Joint LUT	Upto five times of fob value of exports effected in the preceding licensing year/current year.
3. Exporters having performance of past exports but not covered under sl. No. 1 and 2 above .	LUT	Upto two times of fob value of exports made during the preceding licensing year/current year.
4. Units having a Minimum annual average domestic turnover of Rs. 5 crores during the preceding three licensing years and units within the same group.	LUT/Joint LUT	Upto 50% of domestic turnover of preceding licencing year/current year.

NOTE :

- (a) No. LUT/Bond/BG will be required where the specified export obligation has been fulfilled before making any import.

- (b) The duration of LUT shall be the export obligation period plus six months.

- (c) The applicant may submit the LUT along with the application itself. At the time of issuance of Diamond Imprest Licence, the LUT, if otherwise, in order may also be accepted and an acceptance may be endorsed on the back of licence.

This issues in public interest.

SHYAMAL GHOSH, Director General
of Foreign Trade